http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 115

प्रयागराज शुक्रवार 10 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

दिल्ली के जाटों को ओबीसी सूची में करें शामिल: केजरीवाल

● जाट समाज को लेकर अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केजरीवाल ने पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा, दिल्ली में जाट समाज व ओबीसी की 5 अन्य जातियों के साथ केंद्र सरकार का पक्षपातपूर्ण रवैया इन जातियों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के उचित अवसर हासिल नहीं होने दे रहा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के जाट समुदाय को केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए पीएम मोदी को पत्र लिखा। केजरीवाल ने लिखा कि केंद्र सरकार पिछले 10 सालों से लगातार जाट समाज के साथ धोखा कर रही है। केंद्र सरकार की वादाखिलाफी की वजह से दिल्ली के ओबीसी समाज के हजारों युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। श्ये हमारे दिल्ली के जाट भाई–बहनों के साथ बहुत बड़ा अन्यायश अरविंद केजरीवाल ने कहा, षदिल्ली सरकार की ओबीसी लिस्ट में जाट समाज का नाम आता है लेकिन केंद्र सरकार की लिस्ट में दिल्ली का जाट समाज नहीं आता है। ये हमारे दिल्ली के जाट भाई–बहनों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। पिछले 10 सालों में 4 बार इन्होंने दिल्ली के जाट समाज को आरक्षण देने का केवल वादा किया है। दिल्ली में दिल्ली के जाटों को आरक्षण नहीं मिलता मगर बाहर वालों को मिलता है।श केजरीवाल ने पत्र में लिखा, श्एक महत्वपूर्ण विषय पर 10 साल पहले आपका किया वादा आपको याद दिलाने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। दिल्ली के जाट समाज के कई प्रतिनिधियों से पिछले कुछ दिनों में मुलाकात हुई। इन सभी ने केंद्र की ओबीसी लिस्ट में दिल्ली के जाट समाज की अनदेखी किये जाने पर चिंता जाहिर की। जाट समाज के प्रतिनिधियों ने मुझे बताया कि आपने 26 मार्च 2015 को दिल्ली के जाट समाज के प्रतिनिधियों को अपने घर बुलाकर ये वादा किया था।

18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में पीएम मोदी ने दिया मंत्र

भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है

● प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई
● वैश्विक युग में प्रवासी समुदाय का महत्व प्रत्येक वर्ष के साथ बढ़ता गया
● विकसित भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान

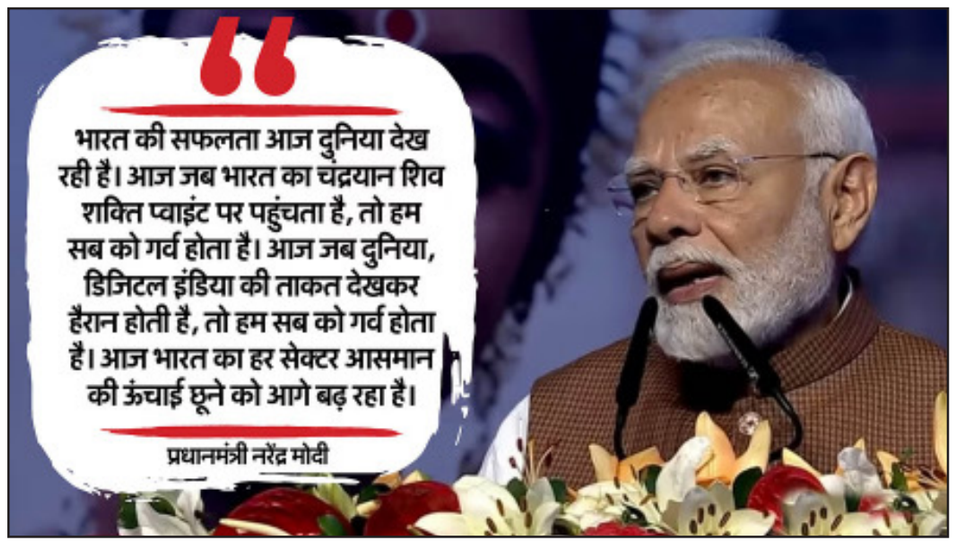

भुवनेश्वर,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यहां पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे बहुत खुशी होती है, जब पूरी दुनिया में आप सभी साथियों से मिलता हूं, आपसे बातचीत करता हूं। जो प्यार मुझे मिलता है, वो भूल नहीं सकता हूं। आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं, हमारा जीवन ही विविधता प्रदान करता है।

खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति मुर्मु की मेघालय यात्रा रद्द

शिलांग,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की गुरुवार को निर्धारित मेघालय यात्रा खराब मौसम के कारण रद्द हो गई है। राष्ट्रपति को मेघालय के री–भोई जिले के उमियाम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करना था। आईसीएआर के एक अधिकारी ने कहा कि "राष्ट्रपति ने खराब मौसम के कारण राज्य का अपना दौरा रद्द कर दिया है। उनकी यात्रा की नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।" हालांकि, उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मेघालय के राज्यपाल चंद्रशेखर एच. विजयशंकर और मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा शामिल होंगे। राष्ट्रपति का किसान प्रदर्शनी का उद्घाटन करने का भी कार्यक्रम था, जिसमें सात पूर्वोत्तर राज्यों और सिक्किम के किसान और स्वयं सहायता समूह हिस्सा लेंगे। वह एक्सपो में प्रगतिशील किसानों से भी बातचीत करने वाली थीं। पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र के लिए एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान आईसीएआर अनुसंधान परिसर की स्थापना 09 जनवरी, 1975 को क्षेत्र के आदिवासी क्षेत्रों की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी। संस्थान पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र के पर्वतीय एवं पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान, विस्तार और मानव संसाधन विकास गतिविधियों को बढ़ावा एवं संचालन कर रहा है।

संभल में 46 साल पहले हुए दंगे की फिर से होगी जांच, एक सप्ताह में रिपोर्ट देने का निर्देश

● क्या संभल में 1978 को हुए दंगे की फिर से खुलेगी फाइल? एसपी ने इन सूचनाओं को लेकर दिया ये जवाब

मुरादाबाद,(एजेंसी)। संभल में वर्ष 1978 का दंगा 29 मार्च को हुआ था। इस दंगे में शहर जल उठा था। हालात को संभालने के लिए प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया था। उत्तर प्रदेश के संभल में 1978 में हुए दंगे की फाइल फिर खोलने की खबरों पर पुलिस की प्रतिक्रिया सामने आई है। पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई ने कहा कि दंगों की दोबारा जांच नहीं केवल शासन द्वारा मांगी गई जानकारी को एकत्र किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि स्थानीय एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने 17 दिसंबर को एक पत्र लिखकर 1978 में हुए दंगों का मुद्दा उठाया था। इसके बाद शासन ने इस संबंध में आख्या मांगी है। पुलिस द्वारा दंगों से जुड़ी सूचनाएं और तथ्य जुटाए जा रहे हैं। बता दें कि दिसंबर 2024 में विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल दंगे पर वक्तव्य दिया। इसके बाद से इस दिशा में काम तेज हो गया था। पुलिस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए दिया ये जवाब संभल जिले में 1978 के दंगों की दोबारा जांच को लेकर चल रही चर्चाओं पर पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की है। एसपी केके विश्नोई ने कहा कि दंगों की दोबारा जांच नहीं केवल शासन द्वारा मांगी गई जानकारी को एकत्र किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि स्थानीय एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने 17 दिसंबर को एक पत्र लिखकर 1978 में हुए दंगों का मुद्दा उठाया था। इसके बाद शासन ने इस संबंध में आख्या मांगी है। पुलिस द्वारा दंगों से जुड़ी सूचनाएं और तथ्य जुटाए जा रहे हैं, जिनमें दंगों के दौरान हुई घटनाओं, नुकसान और अन्य संबंधित बिंदुओं पर जानकारी एकत्र की जा रही है। इसे शासन को भेजा जाएगी। एसपी ने इस बात पर जोर दिया कि दंगों की दोबारा जांच को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं, वे पूरी तरह से भ्रामक हैं। वर्तमान में केवल सूचनाएं और तथ्य इकट्ठा किए जा रहे हैं, ताकि शासन के निर्देशों के अनुसार रिपोर्ट तैयार की जा सके। 29 मार्च 1978 को हुआ था दंगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिसंबर को विधानसभा में कहा था कि 1947 से लेकर अभी तक संभल में 209 हिंदुओं की जान दंगों के चलते गई है। संभल में 29 मार्च 1978 को दंगे के दौरान आगजनी की घटनाएं हुई थीं। इस घटना में कई हिंदू मारे गए थे। भय के चलते 40 रस्तोगी परिवारों को घर छोड़कर भागना पड़ा। पलायन के गवाह अभी मौजूद हैं। मंदिर में कोई पूजा करने वाला बचा नहीं था। घटना के 46 साल बाद अभी तक किसी को सजा तक नहीं मिली।

दिल्ली चुनाव में होगी राहुल गांधी की एंट्री, करेंगे चुनावी रैली को संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के मतदाता राहुल और प्रियंका आश्चर्यचकित हैं क्योंकि वे अभी तक राष्ट्रीय राजधानी के चुनावी परिदृश्य में दिखाई नहीं दिए हैं, जहां 5 फरवरी को मतदान होना है। जैसे–जैसे राजनीतिक माहौल गर्म होता जा रहा है, आम आदमी पार्टी ऐसा लगता है कि जब चुनावी बिगुल बजने की बात आई तो उसने बढ़त ले ली है और विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, अब खबर है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पहले ही मैदान में उतर चुके हैं और मतदाताओं से जुड़ रहे हैं और उन्हें दोबारा चुने जाने पर चांद देने का वादा कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी ओर से पीएम मोदी के रूप में अपना भाग्यशाली आकर्षण उजागर किया है, जो पहले ही एक रैली कर चुके हैं और दिल्ली के लोगों के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की घोषणा भी कर चुके हैं। इसके बीच, कांग्रेस अभी भी अपने दृष्टिकोण में पीछे दिख रही है क्योंकि श्परिवारश अभी तक सामने नहीं आया है, जबकि पार्टी ने शुरुआती मतदाता संपर्क का काम डीके शिवकुमार, केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत जैसे नेताओं पर छोड़ दिया है, ऐसा लगता है। सबसे पहले डीके ने महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना की घोषणा की।

महाकुम्भ से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए का ग्रोथ का अनुमान।

यत्रविश्वं भवत्येक नीडम्– योगी आदित्यनाथ

धीरज द्विवेदी

महाकुम्भ नगर। गुरुवार को मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाकुम्भ 2025 अब तक के सभी कुम्भ पर्वों से अधिक दिव्य और भव्य होगा। इस महाकुम्भ में आस्था और आधुनिकता का समागम होगा और यह समागम प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कैसे खुशहाली ला सकता है, इसका उदाहरण भी बनेगा। उन्होंने कहा कि लाखों लोग इस महासमागम और व्यवस्था के साथ जुड़े हुए हैं। ये प्रयागराज के साथ साथ पूरे देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। अकेले प्रयागराज कुम्भ से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए का ग्रोथ होने का अनुमान है। महाकुम्भ सांस्कृतिक एकता का ऐसा महायज्ञ है जो पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण न केवल भारतवर्ष को अपितु सम्पूर्ण विश्व को एक नीड़ (घोंसले) में लाकर स्थापित कर देता है। यजुर्वेद का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यजुर्वेद में कहा गया है ष्यत्रविश्वं भवत्येक नीडम्ष अर्थात जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक घोंसले में आ जाता है। महाकुम्भ उसी परिकल्पना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले की सरकारों ने आस्था का सम्मान नहीं किया। हमने आस्था का सम्मान किया और आस्था कैसे अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, प्रयागराज इसका उदाहरण बनने जा रहा है। उन्होंने देश भर के पत्रकारों से अपील की कि हमने इस महाआयोजन को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक महासमागम के रूप में प्रस्तुत करने की जो योजना बनाई है, उसे अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से पूरी दुनिया में प्रसारित करना होगा, ताकि न केवल प्रयागराज बल्कि उत्तर प्रदेश को दुनिया के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जा सके। यह मान्यता प्रयागराज को पहले ही मिल जानी चाहिए थी, लेकिन आपकी रिपोर्टिंग आज प्रयागराज को उसका हक दिलाने में मददगार होगी। योगी ने कहा कि पत्रकार बंधुओं की आवश्यकता और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए सूचना विभाग द्वारा यह सर्वसुविधायुक्त मीडिया सेंटर तैयार किया गया है। खबरें फाइल करनी हों या इंटरव्यू और पॉडकास्ट, एडिटिंग हो या संदर्भ ग्रंथों की आवश्यकता, आप सभी की हर जरूरत को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। 2019 कुम्भ को आपने आस्था के अद्भुत संगम के रूप में देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया था। परिणाम था कि यूनेस्को ने प्रयागराज कुम्भ को मानवता की अमूर्त विरासत की मान्यता प्रदान की। इस बार भी विश्व मानता के कल्याण का मार्ग यहां से प्रशस्त हो, इसके लिए यह मीडिया सेंटर आपको समर्पित किया जा रहा है। 12 वर्ष के बाद महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है और उसमें भी 144 वर्ष का वह शुभ मुहुर्त आया जो सचमुच आज की पीढ़ी के लिए सौभाग्य की बात है। यह उनके लिए भी गौरव का क्षण है जो जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस आयोजन से जुड़े हैं। ये हमारा सौभाग्य है कि सनातन गर्व के प्रतीक महाकुम्भ पर्व का आयोजन करने का डबल इंजन सरकार को अवसर प्राप्त हो रहा है।

अखिल भारतीय विद्यालय हैंडबॉल में चयन।

प्रयागराज। हैदराबाद में दस से चौदह तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय हैंडबॉल (अंडर 17 बालिका) में जिला हैंडबॉल संघ प्रयागराज नैनी के खिलाड़ी वैष्णवी दीक्षित व मानसी त्रिपाठी का चयन उत्तर प्रदेश स्कूल माध्यमिक शिक्षा परिषद टीम में हुआ। वैष्णवी व मानसी के प्रशिक्षक कौशल कु दीक्षित ने बताया कि दोनों ने प्रारंभिक अभ्यास चक्र में ही उत्तर प्रदेश स्कूलीय हैंडबॉल बालिका अंडर 17 में अपनी जगह बनाकर उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिदिन का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्कूलीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में विभाग करने के लिए तेलंगाना हैदराबाद जाएंगे उक्त की सूचना जिला हैंडबॉल संघ के सचिव कौशल कुमार दीक्षित कोडी गई वैष्णवी दीक्षित बीपी सिंह बालिका इंटर कॉलेज नैनी की छात्र हैं। मानसी त्रिपाठी अउ इंटर कॉलेज नैनी की छात्रा है। उनके चयन पर जिला हैंडबॉल संघ के सचिव कौशल कुमार दीक्षित, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार, उप क्रीड़ा अधिकारी देवी प्रसाद, जिला विद्यालय निरीक्षक ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

संविधान की हत्या

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी श्विश्वगुरूत्व का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का श्शिष्यत्व बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है।

आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग–अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।

ज़लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज श्बंटेगें तो कटेगेंश्च का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल श्जुड़ेगे तो जीतेगेंश्च को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक श्कुर्सीश्च है।

यहां सबसे दुरूखद यह है कि हमारे संविधान में साफ–साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज धर्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थों में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए? आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है।

ज़और आज की सबसे बड़ी चिंता व फिक्र की तो यह बात है कि सत्ता की घुरी अर्थात् देश के आम मतदाता को तो उसके भाग्य पर छोड़ दिया है और पांच साल में एक बार लुभावने नारों के साथ उसका द्वार खटखटाया जाता है और फिर उसे भगवान के भरोसे छोड़कर आज की राजनीति के भगवान आराध्य देव की तरह साल में केवल चार महीनें नही बल्कि चार साल के लिए मुंह ढंक कर गहरी निद्रा में खो जाते है, हमारे आम मतदाता अपने जीवन के हर क्षेत्र में चाहे निपुण हो गया हो, किंतु राजनीतिक सोच और राष्ट्रऊ के प्रति कर्तव्य के मामले में आज भी शून्य ही है, हमारे मान्यवर राजनेताओं ने उसे अपनी व्यक्तिगत पारिवारिक उलझनों में ऐसा उलझा कर रखा कि उसे अपने कर्तव्य, दायित्व या अधिकारों के बारे में सोचने–विचारने का वक्त ही नही दिया, वह चौबीसों घण्टें अपनी नीति जिन्दगी की सोच में ही डूबा रहता है।

इस तरह कुल मिलाकर आज की राजनीति से श्जनसेवाश्च का पूरी तरह लोप हो चुका है और वह पूरी तरह श्स्व–सेवाश्च बनकर रह गई है और देश व राष्ट्र तथा समाज के बारे में सोचने के लिए किसी के भी पास वक्त नही है।

रिपोर्टों के पीछे मकसद क्या है?

ऐसी रिपोर्टें कई दशक से जारी हो रही हैं। अब यह कहने का आधार है कि इनसे गरीबी की ठोस समझ बनाने में कोई मदद नहीं मिली है। इसलिए अब यह सवाल उठाने का वक्त है कि इन रिपोर्टों के पीछे मकसद क्या है?बीते हफ्ते के आरंभ में वैश्विक गरीबी पर में विश्व बैंक की रिपोर्ट आई। सप्ताहांत में संयुक्त राष्ट्र ने इसी संबंध में अपनी रिपोर्ट जारी की। विश्व बैंक विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी स्थित ऑक्सफॉर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव पिछले कई वर्षों से गरीब लोगों की संख्या के बारे में अपना साझा अनुमान जारी कर रहे हैं। अपनी ताजा रिपोर्ट में उन्होंने भारत के बारे में कहा है कि यहां 23 करोड़ 40 लाख लोग चरम गरीबी में जी रहे हैं। विश्व बैंक ने ये संख्या 13 करोड़ 40 लाख बताई थी। ये दोनों आधिकारिक संस्थाएं हैं। इनके अलावा कुछ एनजीओ भी अपना अनुमान जारी करते हैं। उनसे भी अलग संख्या सामने आती है।

ऐसी रिपोर्टें कई दशक से जारी हो रही हैं। इसलिए अब यह कहने का आधार है कि इनसे गरीबी को समझने या उससे लोगों को मुक्ति दिलाने के बारे में कोई ठोस सोच नहीं बनती है। उलटे भ्रम पैदा होता है। इसलिए अब यह सवाल उठाने का वक्त है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने के पीछे मकसद क्या है? उद्देश्य दुनिया में गरीबी खत्म करना है, तो फिर ये संस्थाएं न्यूनतम और भ्रामक पैमाने क्यों अपनाती हैं? नव–उदारवादी दौर के पहले एक मान्य फॉर्मूला व्यक्तियों को उपलब्ध कैलोरी होती थी। भारत में गांवों में जिन लोगों को रोजाना 2200 और शहरों में 2100 से कम कैलोरी उपलब्ध थी, उन्हें गरीब समझा गया था।अनेक गंभीर अर्थशास्त्रियों दिखाया है कि आज इस कैलोरी उपलब्धता से वंचित लोगों की संख्या तब से ज्यादा है। वजह यह है कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवहन जैसी सेवाओं का निजीकरण होने का बोझ लोगों की निजी आमदनी पर पड़ा है। इस कारण उन्हें अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ी है। इस बात के आधिकारिक आंकड़े हैं कि बहुत से गरीब लोगों ने अपने भोजन में कटौती की है। जबकि शिक्षा एवं इलाज जैसी अनिवार्यताओं पर बढ़े खर्च की गणना खर्च क्षमता में करके विश्व बैंक करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से उठा बता देता है। ऐसी ही विसंगतियां संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी हैं। फिर भी ऐसी रिपोर्टों का सिलसिला जारी है।

महर्षि चरक के सिद्धांत आज भी हैं प्रासंगिक

0–इन्दर सिंह परमार

चरक जयंती श्रावण शुक्ल नाग पंचमी 2081 संवत इस बार 9 अगस्त 2024 को है। ईसा से लगभग 200 वर्ष पूर्व चिकित्सा ग्रंथ लुप्त हो गए थे । यह पूरे भारतीय जनमानस और विश्व के लोगों के लिए अत्यंत ही संकट का दौर था। जब सारी मानवता त्राहि–त्राहि करने लगी जब सारी धरती के लोग कष्ट से मरने लगे।

जब समाज अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगा जैसा कि भगवान ने श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिज्ञा की, जब–जब धर्म की हानि होगी तब तब मैं आऊंगा। जब जब अधर्म रूपी रोगों का साम्राज्य होगा। पाप का साम्राज्य होगा तब– तब मैं प्रकट होउंगा। तब भगवान शेषनाग स्वयं इस धरती पर विचरण करते हुए आये और उन्होंने देखा कि जनता कितने कष्ट में है कितनी दुखी है। उनका हृदय द्रवित हो गया, करुणा से भर उठे और उन्होंने कपिष्ठल नामक गाँव जो कश्मीर में पुंछ के पास स्थित गांव है, वहां पर वेद वेदांग नामक एक वैदिक ब्राह्मण के घर में श्रावण शुक्ल नाग पंचमी के दिन जन्म लिया। शेषनाग का पूज्य दिवस अवतरण दिवस श्वेत वाराह पुराण में स्वयं ब्रह्मदेव ने नाग पंचमी का दिन बताया है। इस कारण से महर्षि चरक के जन्मदिन को हम श्रावण शुक्ल पंचमी नाग पंचमी मनाते हैं। महर्षि चरक ने वेद उपनिषदों का अध्ययन करने के उपरांत आयुर्वेद का अध्ययन प्रारंभ किया। उन्होंने महर्षि पुनर्वसु आत्रेय के द्वारा उपदिष्ट और आचार्य अग्निवेश के द्वारा प्रणीत लिखित ग्रंथ अग्निवेश तंत्र को खोजा। उसके छिन्न–भिन्न अंशों को सहेजा सम्हाल।जो बड़ी मुश्किल से उनको प्राप्त हुए और उस ग्रंथ को अग्निवेश तंत्र को जो कि पूर्ण नहीं था उस समय उसको धीरे–धीरे करके लेखन कार्य प्रारंभ किया। औषधियों का चयन करना, औषधियों के बारे में खोजना,उनका प्रयोग किया। इस प्रकार से चरक संहिता का वर्णन लिखना प्रारंभ किया। जिसमे मानव जीवन रोग चिकित्सा का वर्णन है। सबसे महत्व की बात चिकित्सा जगत में उन्होंने चिकित्सा सिद्धांत दिए। वह अपने आप में अप्रतिम कार्य था ।पूरी मानव सभ्यता, मानव समाज, पृथ्वी उनके उपकार कभी नहीं भूल सकती। ऐसे मनीषी का जन्म भगवान के तुल्य ऐसे सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक का जन्मदिन मनाना हम चिकित्सकों का ही नहीं इस मानव जाति का परम कर्तव्य है। आभार प्रदर्शन है। यह धन्यवाद है ऐसे व्यक्ति के लिए जिन्होंने मानव समाज को इस पूरी धरती को रोगों के भय से दूर किया। चिकित्सा सिद्धांतों की स्थापना की।

चरक का परिचय

अथर्ववेद के उपवेद और पंचमवेद आयुर्वेद के आदि चिकित्सक महर्षि चरक को भगवान शेषनाग का अवतार माना जाता है। उनका जन्म ईसा से 200 वर्ष पूर्व कश्मीर में पुंछ के पास कपिष्ठल नामक गांव में हुआ था। श्वेत वाराह पुराण के अनुसार उनका जन्मदिन श्रावण शुक्लपक्ष नागपंचमी (इस बार 9 अगस्त 2024) को मनाया जाता है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में भगवान शेषनाग के कपाट भी आज ही के दिन खोले जाते हैं। उन्होंने महाभारत काल के पश्चात खण्डित हो चुके कायचिकित्सा(मेडिसिन) के महान ग्रंथ अग्निवेश–तंत्र का प्रतिसंस्कार (पुनर्लेखन) कर चरक–संहिता रूपी कालजयी रचना प्रदान की।बौद्ध धर्म के नास्तिक दर्शन काल में अहिंसा के सिद्धांत के कारण राजव्यवस्था द्वारा वैदिक और शल्य क्रियाओं का निषेध कर दिया गया था। दूसरी तरफ बौद्ध धर्म के श्स्वभावो परमवादश के सिद्धांत की आड़ में (यानी शरीर तो स्वभाव से ही बनता बिगड़ता है इसलिए चिकित्सा की क्या आवश्यकता है ऐसा कहकर) वैद्यों के चिकित्सा कार्यों का विरोध किया जाता था। कहा जाता है कि बौद्ध सम्राट बिम्बिसार को भी बवासीर की तकलीफ हुई थी, लेकिन अहिंसा के सिद्धांत के चलते उन्होंने शल्य चिकित्सा को अंगीकार नहीं किया। जिस पर आचार्य जीवक ने एक लेप बनाकर अर्श को ठीक किया था। सम्राट अशोक के बाद चिकित्सा कार्यों पर शासन द्वारा ऐसा प्रतिबंध करीब 50 वर्ष तक रहा, जिसे भारत के मेडिकल–इमरजेंसी का काल कहा जा सकता है। मान्यता है कि ऐसे कालखंड में अनन्त भगवान–शेष छद्म रूप में धरती पर विचरण करने आए। रोगों से पीड़ित मानवता को देखकर करुणावश उनका हृदय द्रवीभूत हो गया और उन्होंने वेद–वेदांग नामक ब्राह्मण के घर जन्म लिया।ऐसे समय में रोगों से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए उन्होंने भारत भर में घूमते हुए चिकित्सा का कार्य और उसका प्रचार किया। इसी कारण श्चरकात् चरकरूश नित्यप्रति घूमने के कारण उनका नाम चरक पड़ा। उन्होंने श्आतारू पुत्रवत आचारेत्श यानी रोगी से पुत्र के समान व्यवहार करने सहित अनेक सिद्धांतों का प्रतिपादन कर चिकित्सक समाज के लिए एक मिशाल कायम की।आचार्य चरक ने आज से 2150 वर्ष पूर्व चरक संहिता का लेखन किया था। चरक संहिता मूल रूप से अग्निवेश तंत्र का ही परिष्कृत ग्रंथ है।पुनर्वसु आत्रेय द्वारा उपदिष्ट सूत्रों को, महर्षि अग्निवेश ने अग्निवेश तंत्र में निबंध किया था। काल क्रम से वह ग्रंथ लुप्त हुआ तथा आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति भी समाज में उपेक्षा हुई। जिसके कारण मानवता और सारा विश्व रोगों से ग्रस्त हुआ।

आचार्य चरक ने ऐसे समय में जन्म लेकर और पूरे जीवन भर परिभ्रमण करते हुए चंक्रमण करते हुए, औषधीयों के माध्यम से रोगों की चिकित्सा की और इन चिकित्सा के प्रयोगों को उन्होंने चरक संहिता के ग्रंथ में स्थान दिया। चरक सूत्र स्थान के प्रारंभ में छरू पदार्थों के महत्व को प्रतिपादित किया। सामान्य, विशेष, समवाय, द्रव्य, गुण एवं कर्म के महत्व को प्रतिपादित किया। दिनचर्या का व्याख्यान विस्तार से किया। ऋतु अनुसार हमें क्या भोजन करना चाहिए, कैसे भोजन करना चाहिए, किन दोषों का प्रकोप है कैसे समान है कौन सी व्याधि किस ऋतू में हो सकती हैं इन सब बातों को उन्होंने बताया। वेगों के धारण करने से क्या नुकसान होता है, क्या व्याधियों होती है, सिद्धांत प्रतिपादित महर्षि चरक ने किया। ऐसे विषय जो वैद्य के लिए अनिवार्य हैं ऐसे

गुण ऐसे कर्म जो वैद्य को करनी चाहिए,गुण जो धारण करने चाहिए,उन सभी गुणों को आचार्य चरक ने बताया। पंचकर्म चिकित्सा पद्धति जो रोगों को मूल से समाप्त करने वाली है, उस का सिद्धांत प्रतिपादन स्थापित किया जो लुप्त हो चुका था। सर्वश्रेष्ठ औषधियों की गणना,स्रोतसो के बारे में विस्तार से वर्णन शरीर रचना के सिद्धांतों का प्रतिपादन करके मानव जाति केलिए, चिकित्सा शास्त्र के लिए बड़ा अवदान है।निदान स्थान के अंतर्गत ज्वर का निदान रक्तपित्त का निदान का उन्माद अपस्मार और इत्यादि के बारे में विस्तार से वर्णन किया है। बहुत सारे ऐसी गंभीर व्याधियां थी जिसमें उन्होंने व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों का वर्णन किया। महर्षि चरक ने 2000 वर्ष पूर्व जिन सिद्धांतों का प्रतिपादन किया उन सिद्धांतों के आधार पर आज भी चिकित्सा की जाती है। अभी 2 वर्ष पूर्व पूरे विश्व में कोरोना नमक व्याधि का आतंक हुआ था। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी।कोरोना व्याधि की चिकित्सा आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के पास भी नहीं है। परंतु महर्षि चरक के सिद्धांतों के अनुसार कोरोना नामक व्याधि में वात,पित्त और कफ इन तीनों दोषों का सन्निपात होने के कारण से संप्राप्ति होती है।अतरू यदि इन दोषों की समता स्थापित की जाए तो यह रोग दूर हो सकता है। इस सिद्धांत पर कार्य करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा संस्थाओं ने कोरोना के रोगियों की चिकित्सा की और उसमें सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार विभिन्न प्रकार की संक्रामक व्याधियों स्वाइन फ्लू, टाइफाइड,मलेरिया,चिकनगुनिया,जीका वायरस,डेंगू,चांदीपुरा वायरस इत्यादि का महर्षि चरक के त्रिदोष के सिद्धांत के आधार पर चिकित्सा करने से इन समस्त आधुनिक समय में प्राप्त रोगों की चिकित्सा सरलता से होती है।

अतरू यह सिद्ध होता है कि महर्षि चरक के चिकित्सा सिद्धांत और त्रिदोषवाद का सिद्धांत ही सार्वत्रिक,सर्वकालिक सत्य सिद्धांत है।ये सिद्धांत वैज्ञानिक है और स्वीकार करने योग्य है।

ऐसे महापुरुष जिन्होंने इतने हजारों वर्ष पूर्व इस प्रकार के वैज्ञानिक चिकित्सा सिद्धांतों की प्रस्तुति देकर मानवता को और विश्व को हमेशा हमेशा के लिए रोगों से मुक्त होने का एक सूत्र दिया,उनका स्मरण करना उनका प्रातरू स्मरण करना हमारा कर्तव्य है।महर्षि चरक ने ही रसायन प्रकरण में च्यवनप्राश का उल्लेख किया है च्यवनप्राश एक ऐसा रसायन है जिसका सेवन करने से व्यक्ति को जरा नामक व्याधि नहीं होती है। बुढ़ापा नहीं आता है और व्यक्ति की समस्त धातुएं श्रेष्ठ निर्मित होती है जिसके कारण व्यक्ति में ऊर्जा और उत्साह का स्तर उच्च बना रहता है। च्यवनप्राश के उल्लेख के समय ही महर्षि चरक ने उसके लाभ बताते हुए कहा कि च्यवनप्राश का उपयोग श्वास और केश रोग में विशेष रूप से करना चाहिए इस सिद्धांत के आधार पर समझ में आता है कि चवनप्राश श्वसन व तंत्र के रोगों पर अच्छी तरह से कार्य करता है। कोरोना में भी कोरोनावायरस फेफड़ों में जाकर फेफड़ों की कोशिकाओं को नष्ट करता है तथा श्वसन संस्थान को अपना स्थान बनाता है अतरू कोरोना के रोगियों को जब च्यवनप्राश दिया गया तो उनको इससे अत्याधिक लाभ हुआ। अतरू आचार्य चरक के द्वारा दिया गया यह रसायन भी मानवता के लिए अत्यंत कल्याणकारी रहा। इसके अतिरिक्त वर्तमान में प्राप्त होने वाली बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनका चिकित्सा आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के द्वारा संभव नहीं है। जितने भी प्रकार के कुष्ठ अर्थात त्वक रोग हैं, उन सभी की चिकित्सा महर्षि चरक ने दी है।जिसको दोष अनुसार चिकित्सा करने से निश्चित रूप से वैद्य को यश और रोगी को लाभ प्राप्त होता है।इसके अतिरिक्त मानस रोग विज्ञान में भी आचार्य ने रोगों का और चिकित्सा सिद्धांतों का उल्लेख किया है।इसी प्रकार ग्रहणी दुष्टि भी एक रोग है। आधुनिक चिकित्सक इसको बाउल सिंड्रोम कहते हैं।ग्रहणी दुष्टि की चिकित्सा के बारे में भी महर्षि चरक ने विस्तार से वर्णन किया है। प्रमेह नमक व्याधि इस समय संसार के लिए एक चुनौती बनी हुई है।मधुमेह एक प्रमेह का भेद है।आचार्य चरक ने प्रमेह के भी 20 भेदों का वर्णन किया और बताया कि कफ कारक और कफ को बढ़ाने वाली जीवन शैली से ही प्रमेह रोग होते हैं।प्रमेह की चिकित्सा भी आचार्य ने विस्तार से बताई और कहा कि शरीर को श्रम साध्य बनाने से और अपने जीवनचर्या को सुधारने से प्रमेह की चिकित्सा होती है।आचार्य चरक ने ही आंवला और हल्दी, त्रिफला आदि रसायनों के माध्यम से प्रमेह की चिकित्सा के सूत्र दिए,जो वर्तमान में भी अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक चिकित्सा में जहां बहुत सारे साइड इफेक्ट्स होते हैं वहीं आयुर्वेद चिकित्सा प्रमेही की चिकित्सा तो करती ही है, इसके अतिरिक्त शरीर में होने वाले ह्रास को भी रोकते हैं और शरीर को अधिक ऊर्जावान बनाती है। आचार्य चरक ने अन्य रोगों यथा हृदय रोग,श्वास रोग,वात व्याधि,कास रोग, शोथ रोग(सूजन) आदि के चिकित्सा सिद्धांतों का वर्णन किया है।ऐसे महर्षि जिन्होंने इस प्रकार चिकित्सा को आधार बनाकर मानवता को इस संकट से दूर करने के लिए इस ग्रंथ का निर्माण किया। उनकी जयंती मनाना उनका जन्मदिन मनाना हमारा कर्तव्य है।प्रणाम करते हैं, वंदन करते हैं, अभिनंदन करते हैं ऐसे महर्षि चरक का, आइए सभी मिलकर उनका जन्मदिन मनाएं। इस बार चरक जयंती 9 अगस्त 2024 को है। धूमधाम से महर्षि चरक का जन्मदिन मनायें और समाज को पूर्ण स्वस्थ और रोग मुक्त करने का संकल्प लें।चरक संहिता के शिष्योपनयनीय अध्याय से संकलित चरक–शपथ आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के हिप्पोक्रेटिस–ऑथ से अधिक समीचीन प्रतीत होती है। आजकल देशभर के मेडिकल और आयुर्वेद कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को चरक शपथ की प्रतिज्ञा करवाई जाती है। हिमाचल प्रदेश के एक गांव का नाम आज भी चरेख–डांडा है। मान्यता है कि इसी पहाड़ी पर महर्षि चरक ने तपस्या की थी। इस स्थान पर विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रयासों से महर्षि चरक की मूर्ति स्थापना की गई है। जहां आसपास के आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र चरक जयंती के अवसर पर चरक–यात्रा आदि का आयोजन करते हैं।हमें चिकित्सा के इन महान वैज्ञानिक का जीवन स्मरण कर इस आर्थिक भौतिकवादी युग में नैतिक सुचिता (मेडिकल एथिक्स) को अपनाना चाहिए।और इस अवसर पर चिकित्सा शिविर, औषधीय पौधारोपण, स्वास्थ्य प्रबोधन आदि का आयोजन कर महर्षि चरक को उनके अवदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए।जय आयुर्वेद।

अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे– रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं।

इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य–संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।

हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को श्दुनिया का बैकरूमश का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च–मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू–राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू–राजनीतिक क्षेत्र

में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत–प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड–19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है।यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का श्क्रिएट इन इंडियाश पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी।जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, श्आइए हम सब मिलकर शक्रिएट इन इंडियाश्च यानी श्भारत में सृजन करेंश्च आंदोलन शुरू करें।श ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक–सुधार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पडने वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की श्औद्योगिकियोंश ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावधान में शक्रिएट इन इंडियाश चौलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चौलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है।

भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल–विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ–साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है। लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है।नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं। उनका लेखन वाशिंगटन पोस्ट, बीबीसी, वाइस, द डिप्लोमैट, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, संडे गार्जियन, स्पैन, ऑर्गनाइजर और पांचजन्य में छप चुका है।ये भारत सरकार की राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद के मनोनीत सदस्य हैं, सेंटर फॉर इन्सॉल्वेंसी एंड फाइनेंशियल लॉज के बोर्ड सदस्य हैं ई–गेमिंग फेडरेशन के सीईओ हैं।

गुलाब का फूल देकर यातायात नियमों के प्रति करें जागरूक

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित एवं कम करने के लिये सड़क सुरक्षा नियमों का सभी से कड़ाई से अनुपालन करायें एवं लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। जिलाधिकारी ने प्रभारी यातायात को निर्देशित किया कि चौराहों पर चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को गुलाब का फूल देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत जनपद में अस्थायी बस स्टैण्ड रामलीला ग्राउण्ड में बनाये जाने हेतु एआरटीओ को निर्देशित किया कि ईओ नगर पालिका से समन्वय स्थापित कर रामलीला ग्राउण्ड में साफ–सफाई, शौचालय व पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिये जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय स्थापित कर एक महीने का कार्यक्रम तैयार कर विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम कराया जाये। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने बैठक में सड़क सुरक्षा के प्रति अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।बैठक में प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओपी चौरसिया, एआरटीओ प्रवर्तन डॉ दिलीप कुमार गुप्ता व एआरटीओ प्रशासन डा0 बी0के0 सिंह, ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने हेतु 12 जनवरी तक करें आनलाइन आवेदन–प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 21 जनवरी 2025 को एटीएल ग्राउण्ड कटरा मेंदनीगंज में सम्पन्न कराया जाना है। उन्होंने जनसामान्य से अनुरोध किया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की सामूहिक विवाह हेतु पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन 12 जनवरी 2025 तक किसी भी सहज जन सेवा केन्द्र से कर सकते है।

सपा का आरोप बीजेपी राज में गुंडागर्दी चरम पर

मीरजापुर। सपा नेता की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से सपा का प्रतिनिधिमंडल मिला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आए प्रतिनिधिमंडल ने सपा नेता के परिजनों से मुलाकात की है। सपाइयों का आरोप कि मामले में पुलिस उदासीनता बरत रही है। मृत सपा नेता के भाई और पिता को लगातार धमकी देने के बावजूद पुलिस शांत बैठी है। सपाइयों का आरोप कि बीजेपी राज में गुंडागर्दी चरम पर है।

➤ 'मृत सपा कार्यकर्ता के घर पहुंचे एमएलसी, जताया शोक

कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सपा प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के साथ अन्य सुविधाओं की मांग करते हुए पूरी रिपोर्ट सपा मुखिया अखिलेश यादव को देने की बात कही है।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार व प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को अपराह्न कटरा कोतवाली थाना क्षेत्र के हरना की गली पहुंचा। जहां सुरेश चन्द्र ओझा के पुत्र प्रियांशु ओझा 22 वर्ष जिसकी 01 जनवरी 2025 को कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई थी के शोकाकुल परिवार व उनके पिता सुरेश चन्द्र ओझा के घर पर वस्तुस्थिति की जानकारी ली व शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और उनसे मिलकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से शोक जताया। इस दौरान पार्टी की तरफ से हरसम्भव मदद करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर विधायक सकलडीहा ने कहा कि कुल्हाड़ी से मारकर सपा कार्यकर्ता प्रियांशु ओझा की रात्रि 9.30 बजे हत्या कर दी गई थी। पुलिस घटना में शामिल साजिशकर्ता को अभी गिरफ्तार नहीं किया है। प्रियांशु ओझा का परिवार आर्थिक स्थिति से कमजोर है। उन्होंने कहा कि जनपद की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है इसके बाद विधायक प्रभु नारायन सिंह यादव ने पार्टी कार्यालय लोहिया ट्रस्ट में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि अपराधी खुलेआम घटना को अंजाम देकर फरार हो जा रहे है। लूट, हत्या व छिनैती की घटनाओं के अलावा बलात्कार की घटनायें भी जनपद में बढ़ी है। जनपद की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने कहा कि प्रियांशु ओझा के परिवार को हर सम्भव मदद किया जायेगा प्रतिनिधिमंडल में सपा जिलाध्यक्ष सहित कई अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे हैं।

कवि सम्मेलन

सोनभद्र। मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन राबर्ट्सगंज नगर स्थित आरटीएस क्लब मैदान में आयोजित किया जायेगा। उक्त कवि सम्मेलन में देश–प्रदेश के लब्ध कविगण शामिल होंगे। इस आशय की जानकारी मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के निदेशक अजय शेखर ने मंगलवार को दी है।

वृद्ध की बिगड़ी हालत

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के मड़ैयन गांव निवासी वृद्ध राजकिशोर (87) पुत्र दइयाराम की तबियत खराब होने पर नाती शशिकांत गुरुवार को जिला अस्पताल लेकर आया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में शोक छा गया।

करंट से युवती भर्ती

चित्रकूट। मुख्यालय से सटे अमानपुर गांव की सीता (18) पुत्री देवनाथ करंट की चपेट में आ गई। परिजनों ने आनन फानन जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार दिया गया है।

मारपीट में लहूलुहान

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के नादिन कुर्मियान गांव निवासी माता प्रसाद (40) पुत्र नत्थू गुरुवार को खेत से वापस घर आ रहा था। तभी पड़ोसी पांच लोगों ने पुराने रास्ते के विवाद को लेकर लाठी से वार कर लहूलुहान कर दिया। परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार चल रहा है।

बैठक आज

मीरजापुर। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सभा हरगढ़ कैनाल पंप प्रथम में एक बैठक का आयोजन प्रातः 11 बजे किया जाएगा।

संक्षेप

मातृ भाषा में न्यायिक निर्णय तक जनता की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु उच्च न्यायालय इलाहाबाद की पहल

मीरजापुर। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की ओर से न्यायिक अधिकारीगण, जिला अधिवक्ता संघ अधिवक्तागण एवं सचिवगण की प्रदेश स्तर पर बैठक आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त सदस्यों ने उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की इस पहल की प्रशंसा की। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मीरजापुर के अध्यक्ष सुशील कुमार दूबे द्वारा इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह कहा गया है इससे जनमानस की न्याय तक पहुंच आसानी से सुनिश्चित हो सकेगी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मीरजापुर के सचिव संजय कुमार चौधरी द्वारा इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह कहा गया है कि न्यायालय एवं अधिवक्तागण को कार्य करने में सहजता एवं सुगमता होगी। कमलेश कुमार सिंह अध्यक्ष मीरजापुर अधिवक्ता संघ द्वारा यह कहा गया है कि इससे आम जनमानस तक न्याय की पहुंच आसान होगी। नरेन्द्र बहादुर सिंह अध्यक्ष बहुसंख्यक बार एसोसिएशन द्वारा यह कहा गया कि इससे वादकारीगण को न्यायिक प्रक्रिया एवं उनके वादों में पारित निर्णयों तथा उन निर्णयों को पारित करने के समुचित आधारों को समझने में आसानी होगी। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा उठाये गये इस कदम से जन साधारण तक न्यायिक निर्णयों तथा उन निर्णयों की मूल भावना का प्रसार आसानी से किया जा सकेगा। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की अधिकारिक वेबसाइट्‌ 2.सर्सीईकीपहीबवनतज. पदब्पदेबेहनअेपदकमग•ीजउस पर यह निर्णय ई–इलाहाबाद, उच्च न्यायालय पत्रिका के रूप में उपलब्ध है। इससे साथ ही भारत में किसी उच्च न्यायालय द्वारा पहली बार गैर न्यायिक पत्रिका का प्रकाशन भी माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा ब्यायामा–न्याय की किरण के रूप में किया गया है जो अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

राजस्थान ने किया सम्मानित

मीरजापुर। विश्व विख्यात साहित्यिक संस्था स्साहित्य मंडल, नाथद्वारा, राजस्थानश ने प्रति वर्ष आयोजित होने वाले श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह में मिर्जापुर की युवा कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज को गीता देवी काबरा स्मृति बाल श्री सम्मान 2025 प्रदान किया। यह सम्मान सृष्टि राज की पुस्तक श्दर्पण में बचपनश के लिए प्रदान किया गया। इसके पूर्व इस पुस्तक पर सृष्टि राज को बाल साहित्य संवर्धन संस्थान, कानपुर द्वारा भी पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं और निरंतर साहित्य लेखन कर रही हैं। साहित्य मंडल, नाथद्वारा साहित्यिक संस्था ने इसी समारोह में मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित को भी साहित्य विधा में विशेष योगदान के लिए साहित्य सुधाकर की मानद उपाधि और डॉ. आर के रामन स्मृति सम्मान से नवाजा। आनंद अमित की छह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वह बीएसएनएल मिर्जापुर में अवर दूर संचार अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और सृष्टिराज के पिता हैं। साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा के प्रधानमंत्री श्याम देवपुरा ने बताया कि यह संस्था प्रतिवर्ष पूरे देश से चुनकर अनेक साहित्यकारों को सम्मानित करती है लेकिन ऐसा अवसर दुर्लभ है कि पिता–पुत्री एक साथ सम्मानित हों।

मंडलध्यक्ष चुने जाने पर जताया हर्ष

हलिया, मीरजापुर। हलिया विकास खंड के भारतीय जनता पार्टी के हलिया मंडल अध्यक्ष चुने जाने पर ग्रामीणों तथा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताकर मिष्ठान खिलाया तथा लोगों में वितरित किया गया। बुधवार को पार्टी की घोषणा के बाद भारतीय जनता पार्टी हलिया मंडल के अध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रहरी को चुने जाने पर हलिया बाजार तथा पिपरा बाजार में लोगों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया। उन्होंने बताया कि दिनेश कुमार अग्रहरी 20 वर्षों से पार्टी में रहकर जनता का सेवा किया तथा बूथ अध्यक्ष से लेकर मंडल कोषाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पद पर रहे। अध्यक्ष चुने जाने पर उनके आवास पर भारी संख्या में मिलने के लिए लोगों का ताता लगा रहा तथा उन्हें मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस दौरान ग्राम प्रधान ओपी राजेश यादव, सोनू मौर्य, सुनील दुबे, बृजेश यादव, शिव कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, राकेश अग्रहरी, ज्ञानेंद्र सिंह, सूर्यकुमार सिंह, विभूति नारायण सिंह, रामकिशुन सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

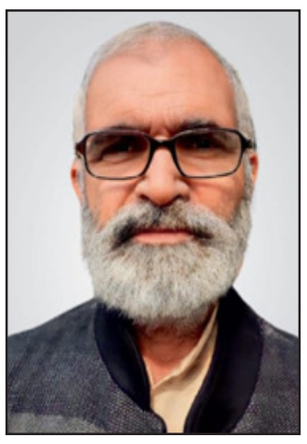

मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मथुरा प्रसाद धुरिया राष्ट्रीय मुख्यमहासचिव बनाए गए

प्रयागराज। देश भर के मान्य सम्पादकों पत्रकारों और साहित्यकारों के सम्मान सुरक्षा व शक्ति के लिए कृतसंकल्पित संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की रजत जयंती वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पहली सूची जारी कर दी गई है द्य इसके साथ साथ मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की भी घोषणा हुई है द्य

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की संचालन समिति के अनुमोदन के बाद सर्वसम्मति से मुनेश्वर मिश्र को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मथुरा प्रसाद धुरिया को राष्ट्रीय मुख्यमहासचिव बनाया गया है द्य डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय को राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है द्य भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की संचालन समिति के अनुसार सुधीर सिंह राठौर (सतना), जयशंकर त्रिपाठी (नई दिल्ली) को वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है द्य इनके साथ ही अनंतराम पाण्डेय (को सचिव बनाया गया एवं संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी अभय सिंह (रांची) व राजकुमार बजाज (सतना) को दी गई है द्य संगठन

पुरुषोत्तम मिश्र मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं वीरेंद्र मिश्र प्रदेश मुख्य महासचिव घोषित

अयोध्या), अशोक प्रसाद कुणाल (पटना), उमेश दुबे (रीवाँ), श्याम नारायण श्रीवास्तव (रायगढ़), शिवशंकर पाण्डेय (झूंसी) को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है द्य पवनेश कुमार पवन (प्रयागराज) राष्ट्रीय महासचिव (केन्द्रीय कार्यालय) बनाए गए हैं तथा विजय विद्रोही (सुल्तानपुर), डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु (प्रयागराज) को राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व दिया गया है द्य डॉ सुनील कुमार (अमृतसर), नंदगोपाल वर्मा (गौतमबुद्ध नगर), चुन्नू कुशवाहा चंदन (सतना) सचिव का दायित्व सत्यप्रकाश गुप्ता (सुल्तानपुर),डॉ विमलेश कुमार (पटना) को दिया गया और प्रवक्ता सुखदेव द्विवेदी (रीवाँ) बनाए गए है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सत्यदेव तिवारी (सुल्तानपुर), गुन्नूराम शर्मा (भोपाल), शैलेन्द्र तिवारी (रीवाँ), कुलदीप शुक्ल (प्रयागराज), डॉ सुनील कुमार ओझा (बलिया), विश्व नाथ त्रिपाठी (प्रतापगढ़), संदीप कुमार तिवारी (नई दिल्ली एनसीआर) शामिल किए गए हैं। 'राष्ट्रीय कार्यकारिणी का दूसरा विस्तार कुंभमेला प्रयागराज में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय महाधिवेशन के अवसर पर

निर्माण कार्यों की डीएम ने की बिन्दुवार समीक्षा

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने निर्माण कार्यों से संबंधित समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन के निर्धारित समयसीमा के अनुसार गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराए जाएं।

उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से कहा कि जो अंतर्राज्यीय व अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गेटों का निर्माण कराया गया है उसमें रिफ्लेक्टर लाइट भी लगाई जाए। लोक निर्माण विभाग भवन खंड बांदा के अधिकारी को निर्देश दिए कि सर्किट हाउस के निर्माण कार्य को तेजी से कराया जाए। राही पर्यटक आवास गृह में जो कार्य चल रहा है उसमें आयुक्त ने जो दिशा निर्देश दिया था उसी के अनुसार कार्य हो। उन्होंने सीएनडीएस के अधिकारियों से कहा कि जो विकास भवन के निर्माण कार्यों में कमियां हैं उनको पूर्ण करें। राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर का जो कार्य अधूरा है उसको भी पूरा कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि इस कार्य की कमेटी गठित कर जांच भी कराएं। मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि शासन को पत्राचार कर ड्रग वेयर हाउस निर्माण कार्य की द्वितीय किस्त जारी कराई जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मऊ को निर्देश दिए कि मऊ नगर पंचायत कार्यालय के निर्माण कि जो धनराशि कार्यदायी संस्था को दिया जाना है उसको तत्काल दें। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देश दिए कि नवीन संकेत विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। जिसके संचालन के लिए फर्नीचर आदि की शासन स्तर से व्यवस्था कराई जाए। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि गत बैठक में जो निर्माण कार्यों के प्रगति के संबंध में एजेंसियों को निर्देश दिए गए थे उसमें क्या प्रगति हुई है उसकी अनुपालन आख्या बैठक में प्रस्तुत नहीं की गई। यह अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने कहा कि जिन निर्माण कार्यों में प्रगति नहीं हो रही है तो संबंधित विभागों को पत्राचार कराया जाए। ताकि निर्माण कार्यों को तेजी से कराया जा सके। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, डीएफओ नरेन्द्र कुमार सिंह मौजूद रहे।

शहीद बाबूलाल पटेल की 12वीं पुण्यतिथि मनाई गई

नवाबगंजरू थाना क्षेत्र के मलाक बलऊ निवासी बाबूलाल पटेल 12वीं पुण्यतिथि पर शहीद के घर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एएसआईएलजीडी भोलूराम ने शहीद के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल हमेशा अपने सैनिकों और उनके परिवार का हमेशा सम्मान करतीं हैं। बाबूलाल पटेल ने 2013 में झारखंड में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। शहीद बाबूलाल पटेल के पिता जगपति देवी–पिता मुन्नीलाल पटेल और उनकी पत्नी रेखा पटेल पुत्र अंश पटेल (9 वर्ष) हालचाल पूछा और हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर अपना दल एस के नेता व जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सिंह पटेल, संदीप पटेल, राबिन पटेल, राजेश कुमार, नारेन्द्र सिंह, कमलेश कुमार अर्चना पटेल आदि रहे।

मेगा इवेंट पर कार्यक्रम का आयोजन

सुलतानपुर। जनपद में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु "मिशन शक्ति फेज–5.0" के अन्तर्गत जिलाधिकारी 'कृतिका ज्योत्स्ना के कुशल निर्देशन में "मेगा इवेन्ट "वीरांगना दिवस" कार्यक्रम का आयोजन केश कुमारी बालिका इण्टर कालेज, सुलतानपुर में वी0पी0वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

वी0 पी0 वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत उपस्थित सभी छात्राओं एवं अन्य उपस्थित लोगों को यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, भ्रूण हत्या, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा आदि के सम्बन्ध में सरंक्षण, सुरक्षातंत्र, सुझावों, एवं सहायता के लिए संबोधित किया गया। साथ ही विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

डॉ0 धीरेन्द्र कुमार यादव, जिला सूचना अधिकारी द्वारा छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है, जिससे किसी भी ऊचाई को छू सकते है। शिक्षा के साथ खेल एवं कौशल के क्षेत्र में भी बालिकाओं को आगे बढ़ना चाहिए, जिससे उनकी शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास होगा, साथ ही यह कहा गया कि खेल के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं का सम्मान भी करना चाहिए। तदुपरान्त वी0 पी0 वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी के तत्वाधान में विद्यालय की छात्राओं द्वारा इस महान अवसर पर रैली निकाल कर जनमानस को जनजागरूक किया गया। पल्लवी सिंह प्रधानाचार्या, द्वारा छात्राओं में सकारात्मक सोच विकसित करने व उनके उज्जवल भविष्य की आधार शिला रखने के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु जागरूक किया गया।

महिलाओं व बालिकाओं के अधिकारों की दी जानकारी

आजमगढ़। मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज–05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक,उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज–05) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज–05 के दृष्टिगत:–रविवार को जनपद आजमगढ़ के समस्त थानों में गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, के विरूद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी व महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वीमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेंस सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा कर दिये आवष्यक दिषा निर्देष,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बच्चों का नियमित टीकाकरण किया जाये, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। आशाओं के भुगतान के समीक्षा की गयी जिसमें पाया गया कि आसपुर देवसरा में भुगतान की कार्यवाही लम्बित है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि आशाओं का भुगतान समय से किया जाये। समीक्षा में पाया गया कि आईएफए सिरप को बच्चों तक नही पहुॅचाया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये लालगंज एवं मानधाता के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि आशाओं के माध्यम से आईएफए सिरप का वितरण कराया जाये अन्यथा की स्थिति में वेतन रोकने की कार्यवाही की सुनिश्चित की जायेगी। आईएफए सिरप वितरण में प्रतापगढ़ सदर, कुण्डा, गौरा, लक्ष्मणपुर, अर्बन का प्रतिशत कम पाये जाने पर सुधार लाने के निर्देश दिये गये। अन्तरा एवं छाया स्टाक में प्रगति खराब पाये जाने पर फार्मासिस्ट का वेतन रोकने के निर्देश दिये गये। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना का संचालन पूर्ण गुणवत्ता और मानक के अनुरूप करें और जननी सुरक्षा योजना का भुगतान शत प्रतिशत किया जाये, जिन स्वास्थ्य केन्द्रों पर जननी सुरक्षा योजना का भुगतान पेण्डिंग है उसका तत्काल निस्तारण करवाते हुये भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। एनसीडी स्क्रीनिंग रिपोर्ट की समीक्षा में पाया गया कि ए0एन0एम0 द्वारा लापरवाही बरती जा रही है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि एएनएम द्वारा कार्य कराया जाये यदि लापरवाही करती है तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा में प्रगति अच्छी न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएचओ को लगवाकर कार्य में तेजी लाये। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि एआरसी का ग्रुप बनाकर प्रतिदिन की रिपोर्ट मंगवायी जाये। जिलाधिकारी ने बैठक में स्वास्थ्य कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व अन्य सम्बन्धित को निर्देश दिया गया कि प्रगति के आंकड़ों को पोर्टल पर समय से अंकित करें इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न वित्तीय मदों में प्राप्त धनराशि की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि किसी भी मद में पैसा लम्बित न रखे समय से उसका उपयोग कर लिया जाये।

इसी प्रकार बैठक में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, आभा आई0डी0, परिवार कल्याण कार्यक्रम, आरसीएच पोर्टल, प्रसव, एफआरयू, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यूपी हेल्थ डैशबोर्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं तथा जनता से जुड़ी योजनाओं का बेहतर तरीके से संचालन करें, स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने–अपने कार्यो एवं दायित्वों के प्रति सजग रहे, दी गयी जिम्मेदारियों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते। बैठक के दौरान एचएमआईएस डाटा के विभिन्न संकेतकों आधार पर यूपी हेल्थ डेस्क बोर्ड की रैंकिंग राज्य स्तर से निकाली जाती है जनपद प्रतापगढ़ की रैंक 44 है जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाबागंज प्रथम स्थान, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाबा बेलखरनाथ धाम द्वितीय स्थान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संग्रामगढ़ तृतीय स्थान प्राप्त किया है, जिसके लिये जिलाधिकारी ने सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद सहित सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, अधिशासी अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

नासूर बन रहा जाम का झाम पुलिस चौकी में हुई बैठक

लालगोपालगंज– प्रयागराज। मंगलवार को नगर पंचायत लालगोपालगंज के जाम की समस्या को लेकर एसीपी सोरांव जंग बहादुर यादव की अध्यक्षता में पुलिस चौकी प्रांगण में एक बैठक हुई। जिसमें अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत एवं नायब तहसीलदार तथा व्यापार मंडल के पदाधिकारीउपस्थित रहे। जिसमें चर्चा के दौरान यह तय हुआ लालगोपालगंज तिराहे से कर्बला तक सड़क के दोनों तरफ पटरी और नाले के पार दुकान रहेगी कोई भी दुकानदार नाले के बाहर सड़क या पटरी पर दुकान लगाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पक्की दुकानदार भी अगर रोड तक दुकान लगाते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस चौकी से तिराहे तक पैदल मार्च करते हुए बैरिंग जॉन के लिए जगह सुनिश्चित की गई गया। जिसमें तय किया गया की 3 दिन के अंदर वेंडिंग जोन की जमीन नाप कराकर उसमें सब्जी मंडी लगवाई जाएगी तथा टैक्सी स्टैंड को खाली कराके टैक्सी स्टैंड अंदर से संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर व्यापारी समेत नगरवासी मौजूद रहे।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज,शुक्रवार 10 जनवरी 2025

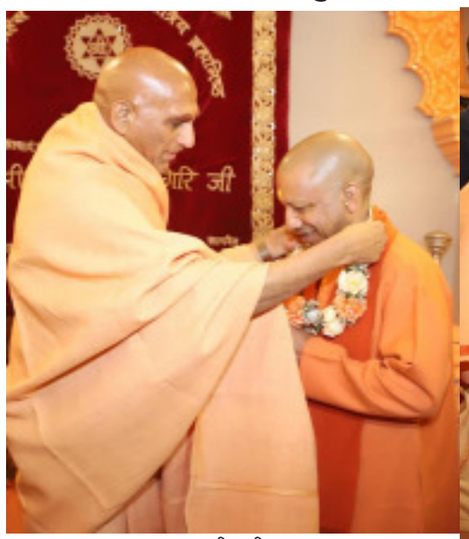

स्वामी अवधेशानंद गिरि ने योगी योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र प्रदान किया

महाकुम्भ नगर। जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने झूंसी सेक्टर अठारह अन्नपूर्णा मार्ग में स्थित प्रभु प्रेमी संघ कुम्भ शिविर में योगी आदित्यनाथ के आगमन पर उन्हें पूरे शिविर का भ्रमण कराया। वह सीएम योगी को एक–एक कक्ष में ले गए और इसकी विशेषता बताई। इसके बाद स्वामी अवधेशानंद सीएम योगी को विशेष कक्ष में लेकर गए, जहां उन्होंने सीएम को अंग वस्त्र पहनाया. माल्यार्पण किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर सीएम योगी और अन्य अधिकारियों को प्रसाद भी ग्रहण कराया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित जनाश्रय केंद्र में स्वच्छता कर्मचारी को कंबल वितरित किया।

श्रद्धेय दीनदयाल, अटल बिहारी, अशोक जी की प्रतिमा युवाओं को प्रेरणा देगी।

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज के द्वारा प्रेरणा पार्क परिसर में अंत्तोदय के प्रतीक पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता अशोक सिंघल के वृहद् प्रतिमा स्थापना हेतु भूमि पूजन शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। उन्होंने कहा कि के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। नगर निगम का विस्तार हो रहा है, यह प्रतिमा से श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और श्रद्धेय हिंदुत्व के पुरोधा अशोक सिंघल जी के प्रतिमा स्थापना होने से प्रेरणा पार्क के नाम से जाना जाएगा । कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर गणेश केसरवानी ने करते हुए कहा कि नगर निगम का विकास निरंतर जारी रहेगा यह विकास प्रयागराज को बदलने में भूमिका करेगा, यह प्रतिमा से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी जिससे प्रतिमा को देखने से युवाओं को ऊर्जा प्राप्त होगी।

इस्कॉन प्रतिदिन एक लाख लोगों को प्रसाद कराएंगे।

महाकुंभ नगर। महाकुंभ की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और ये 13 जनवरी से शुरू होने

जा रहा है जो 26 फरवरी तक चलेगा और इसमें करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। उद्योगपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाला अडानी ग्रुप भी इस महाआयोजन में अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार है और इसके लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस के साथ हाथ मिलाया है। इसके जरिए हर दिन करीब एक लाख श्रद्धालुओं को महाप्रसाद सेवा दी जाएगी।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये उत्तर मध्य रेलवे द्वारा और अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान निम्नलिखित रिंग रेल सेवा एवं मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	संचालन की तिथि	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
(1) आरक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची						
01805	वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी	09:00	प्रयागराज	16:55	15, 22 जनवरी 2025, 05,12,19 एवं 26 फरवरी 2025	ओरछा, बरुआ सागर, निवाड़ी, मऊरानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा, अतर्रा, चित्रकूट धाम कर्वी, मानिकपुर, डभौरा, शंकरगढ़, जसरा और नैनी
01807	प्रयागराज	17:05	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	02:00	15, 22 जनवरी 2025, 05, 12, 19 एवं 26 फरवरी 2025	मनौरी, भरवारी, सिराथू, खागा, फतहेपुर, बिन्दकी रोड, गोविन्दपुरी, भीमसेन, पुखरायां, कालपी, उरई, एट, मोठ एवं चिरगाँव
01806	ग्वालियर	20:10	प्रयागराज	06:40	16, 23 जनवरी 06, 13, 20 एवं 27 फरवरी 2025	शनीचरा, मालनपुर, गोहद रोड, सोनी, भिंड, इटावा, भरथना, फफूंद, झींझक, रूरा, पनकी धाम, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फ़तेहपुर, खागा, सिराथू एवं भरवारी
01808	प्रयागराज	06:45	ग्वालियर	17:10	17, 24 जनवरी 07, 14, 21 एवं 28 फरवरी 2025	नैनी, शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी, बरुआ सागर, ओरछा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, दतिया एवं डबरा
(2) अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची						
04111	प्रयागराज	06:00	प्रयागराज	18:50	10.01.2025 से 28.02.2025 तक (28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को छोड़कर)	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहूँ, ज़फ़राबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गुशाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज	06:30	प्रयागराज	21:00		
04113	प्रयागराज	17:30	प्रयागराज	07:45		
04114	प्रयागराज	17:45	प्रयागराज	08:00		
(3) अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची						
01809	वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी	04:00	प्रयागराज छिवकी	14:45	12.01.2025 से 16.01.2025, 28.01.2025 से 05.02.2025, 11.02.2025 से 14.02.2025 एवं 25.02.2025 से 28.02.2025	ओरछा, बरुआ सागर, निवाड़ी, मगरपुर, टेहरका, रानीपुर रोड, मऊरानीपुर, रोरा, हरपालपुर, घुटई, बेलाताल, कुलपहाड़, चरखारी रोड, महोबा, बरिपुरा, कबरई, मटौंध, खैरार, बाँदा, डिंगवाही, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, मानिकपुर, डभौरा, बरगढ़ एवं शंकरगढ़
01810	प्रयागराज छिवकी	16:00	वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी	05:00		
01811	वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी	10:10	प्रयागराज छिवकी	22:50		
01812	प्रयागराज छिवकी	23:20	वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी	13:10		
01813	बाँदा	19:10	कटनी	05:15		डिंगवाही, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, ओहन, सतना एवं मैहर
01814	कटनी	07:00	बाँदा	14:50		
09015	कटनी	05:40	मानिकपुर	12:15	12, 13, 14, 15, 28, 29, 30 जनवरी 2025, 02, 03, 04, 11, 12, 13, 25, 26 एवं 27 फरवरी 2025	पतवारा, झुकेही, पकरिया रोड, अमदरा, भदनपुर, मैहर, उंचेहरा, लगरगवां, सतना, सगमा, जैतवार, खुटहा, चितहरा, मझगवां, टिकरिया, मारकुंडी, बारामाफी एवं बांसपहाड़
09016	मानिकपुर	12:45	कटनी	20:50		
08248	रीवा	06:45	मानिकपुर	10:15		तुर्की रोड, बघई रोड, हिनौतारामबन, कैमा, जैतवार एवं मझगवां
08247	मानिकपुर	11:15	रीवा	14:30		

नोटः- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 46/25(A)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता उपरांत मीडिया सेंटर में डिजिटल महाकुम्भ अनुभूति केंद्र में का उद्घाटन किया।

हिंदी विश्वविद्यालय के कुम्भ मेला शिविर का उद्घाटन।

प्रयागराज। महात्ध्मा गांधी अंतरराष्ध्ट्रीय हिंदी विश्ध्वविद्यालय के महाकुम्भ मेला–2025 शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्ध्य वक्ता के रूप में महाकुंभ मेला सेक्टरदृ07 के मजिस्ट्रेट अमित त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि हम सभी भाग्यशाली हैं कि माँ गंगा की गोद में बैठे हैं। आगे उन्होंने कहा कि लगभग 12 किलोमीटर गंगा का क्षेत्र संगम के रूप में घोषित किया गया है। उन्होंने कहा है कि यहाँ का पूरा क्षेत्र पुण्य का है, जो भाग्यवान है वही माँ गंगा में डुबकी लगाते हैं। विशिष्ट अतिथि वृंदावन कथावाचक आचार्य मनीष दास ने कहा कि यह श्रद्धा, भक्ति एवं अस्था का संगम है जहां हम सभी बैठे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. दिगंबर मा. तंगलवाड़ ने किया। उन्ध्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संगम पर लगने वाला यह महाकुम्भ मेला विश्व में भारत की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से बड़ा महत्त्वपूर्ण है। महाकुंभ मानवता का धरोहर है। कार्यक्रम का शुभांरम्भ दीप प्रज्ध्ज्ध्वलन के द्वारा किया गया। स्ध्वागत वक्ध्तव्ध्य प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि हम सभी बड़े भाग्यशाली हैं कि तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ में शामिल हैं। सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम का आभार डॉ. अनूप त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में कार्यरत डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. मिथिलेश तिवारी, डॉ. सत्यवीर, डॉ. सुरभि विप्लव, जयेंद्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी, प्रत्ध्यूष शुक्ल, राकेश कुमार, आदित्य, शुभम, आयुषि उपाध्याय, राजकुमार, स्वाति पांडेय, हिमांशु चौरसिया उपस्थित रहे।

पांच मिनट के लिए लगा हम जिंदा नहीं बचेंगे: महिला श्रद्धालु की आपबीती

तिरुपति,(एजेंसी)। तिरुपति मंदिर में बुधवार शाम को मची भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 40 घायल हो गए। बाल–बाल बची एक महिला श्रद्धालु ने भगदड़ की आपबीती बयां करते हुए कहा कि पांच मिनट के लिए तो हमें यह लगा कि हम नहीं बच पाएंगे। पिछले 25 साल से मंदिर आ रही हूं, लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ। मंदिर में हुई भगदड़ में आंध्र प्रदेश के तिरुमाला हिल्स पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार शाम को वैकुंठ एकादशी उत्सव शुरू होने से दो दिन पहले मची भगदड़ में बचे श्रद्धालु दशहत में है। एक महिला श्रद्धालु ने

भगदड़ की आपबीती बयां करते हुए कहा कि पांच मिनट के लिए तो हमें यह लगा कि हम भी नहीं बच पाएंगे। पिछले 25 साल से मंदिर आ रही हूं, लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ। मंदिर में हुई भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 40 घायल हो गए। वहीं घटना को लेकर कांग्रेस, सीपीआईएम, वाईएसआरसीपी ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भगदड़ के लिए मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड (टीटीडी) को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही दर्शन के लिए भक्तों को घंटों इंतजार कराने और अचानक गेट खोलने का भी मुद्दा उठाया। लोग पीछे से भाग रहे थे, बेकाबू हो गए, कोई कुछ सुन नहीं रहा थारू लक्ष्मी मंदिर में दर्शन करने आईं लक्ष्मी भी भगदड़ का शिकार हुईं। उन्होंने कहा कि पांच मिनट के लिए हमें लगा कि हम सभी मर चुके हैं।

टॉप ट्रेंड हुआ डिजिटल महाकुम्भ हैशटैग।

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को डिजिटल एक्सपीरिएंस सेंटर और डिजिटल मीडिया गैलरी का उद्घाटन किया। इसके साथ ही डिजिटल महाकुम्भ के सभी सोपानों ने कार्य करना शुरू कर दिया। इसके चलते सोशल मीडिया पर रुक्हपजंसडंीजञ्जी

टॉप पर ट्रेंड करने लगा। हजारों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल मीडिया हैशटैग का उपयोग करते हुए पोस्ट करने लगे। इसमें लोग सीएम योगी के विजन और डिजिटल महाकुम्भ के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते नजर आए। यह इस बात का प्रतीक है कि देश के युवा अपनी पुरातन परंपरा और संस्कृति से किस कदर जुड़े हुए हैं।

अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा में रात्रि भोज किया।

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के पहले दिन साधु संतों के साथ रात्रि भोज किया और उन्हें उपहार भी भेंट किया। इस रात्रि भोज में सभी अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के पूज्य संत उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की ओर से आयोजित इस भोज के बाद सभी संतों को उपहार भी भेंट किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी संतों का भोज में सम्मिलित होने के लिए आभार भी जताया। इस अवसर पर सभी साधु संतों ने सीएम योगी को धन्यवाद दिया और महाकुम्भ के सकुशल और भव्य संपन्न होने की कामना की। प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित रेडियो ट्रेनिंग हॉल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आयोजित इस रात्रि भोज कार्यक्रम में सभी अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा समेत प्रयागवाल के कुल 20 साधु संत सम्मिलित हुए। इनमें जूना, निरंजनी, उदासीन बड़ा, निर्मल, तीनों वैष्णव अखाड़े (निर्मोही, दिगंबर, निर्वाणी), अग्नि, आवाहन, अटल, आनंद, निरंजनी अखाड़े के पूज्य संत शामिल रहे। खाकचौक से महामंडलेश्वर संतोष दास (सतुआ बाबा) भी उपस्थित रहे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062